विश्व खाद्य दिवस समारोह - पोषण सेवा अभियान पर रिपोर्ट पोषण एवं एनीमिया जागरूकता अभियान

16 अक्टूबर 2026 को अग्रवाल कॉलेज, बल्लभगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की इकाइयों I, II एवं III द्वारा विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर "पोषण सेवा अभियान" के अंतर्गत पोषण एवं एनीमिया जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह गतिविधि "सेवा संकल्प अभियान" के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसका संदेश था – "सेवा मेरा संकल्प, सेवा मेरा योगदान।" कार्यक्रम का विषय था – "स्वस्थ भोजन करें, सशक्त रहें, एक सुपोषित राष्ट्र का निर्माण करें!" इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संतुलित आहार, स्वस्थ खान-पान की आदतों, एनीमिया की रोकथाम तथा अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने में उचित पोषण के महत्त्व के प्रति जागरूकता फैलाना था। NSS कार्यक्रम अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने पोषण और एनीमिया पर आयोजित जागरूकता वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान हरी पत्तेदार सब्जियों, फलों, दालों, लौह-तत्त्व से भरपूर खाद्य पदार्थों तथा अन्य आवश्यक पोषक तत्त्वों से युक्त संतुलित आहार के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया। NSS स्वयंसेवकों एवं कार्यक्रम अधिकारियों के बीच एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने अपनी दैनिक दिनचर्या, खान-पान की आदतों और नियमित आहार के बारे में अपने विचार साझा किए। चर्चा के दौरान इस बात पर विचार-विमर्श किया गया कि दैनिक भोजन में छोटे-छोटे सकारात्मक बदलाव करके स्वास्थ्य और जीवनशैली में सुधार कैसे लाया जा सकता है। साथ ही, लौह-तत्त्व से भरपूर खाद्य पदार्थों के सेवन, पोषण संबंधी कमियों की रोकथाम तथा बचपन से ही स्वस्थ खान-पान की आदतें विकसित करने के महत्त्व पर भी चर्चा की गई। इस संवादात्मक सत्र ने स्वयंसेवकों को पौष्टिक भोजन के प्रति जागरूक होने तथा सोच-समझकर स्वस्थ खाद्य पदार्थों का चयन करने के लिए प्रेरित किया। विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर NSS स्वयंसेवकों ने "पोषण शपथ" भी ली। इस शपथ के माध्यम से उन्होंने स्वस्थ एवं पौष्टिक भोजन अपनाने तथा समाज में पोषण के महत्त्व के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। स्वयंसेवकों ने जरूरतमंद एवं वंचित लोगों की सहायता करने, उनके साथ भोजन साझा करने तथा दूसरों को भी भोजन उपलब्ध कराने

के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया, ताकि भूख और खाद्य असुरक्षा की समस्या को कम करने में योगदान दिया जा सके। यह शपथ करुणा, सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक सेवा की भावना को दर्शाती है। इस गतिविधि के माध्यम से "पोषण सेवा अभियान" एवं "सेवा संकल्प अभियान" के उद्देश्यों को प्रभावी रूप से जोड़ा गया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि जागरूकता, संतुलित आहार, जिम्मेदार खान-पान की आदतों तथा सेवा और सहयोग के छोटे-छोटे प्रयासों से एक स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। स्वयंसेवकों को पोषण जागरूकता के दूत बनकर अपने परिवारों और समुदायों में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने तथा पर्याप्त भोजन से वंचित लोगों की सहायता करने के लिए प्रेरित किया गया। यह कार्यक्रम डॉ. सी. एस. वशिष्ठ, कार्यवाहक प्राचार्य, के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इसमें डॉ. प्रियंका सहरावत, NSS कार्यक्रम अधिकारी, इकाई II; डॉ. दीपमाला धनखड़, NSS कार्यक्रम अधिकारी, इकाई III; तथा सुश्री पूनम शर्मा, NSS कार्यक्रम अधिकारी, इकाई I का सहयोग एवं समन्वय रहा। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ खान-पान अपनाने, एनीमिया की रोकथाम, जरूरतमंदों के साथ भोजन साझा करने तथा एक स्वस्थ और सुपोषित राष्ट्र के निर्माण के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। इस पहल ने NSS के आदर्श वाक्य "Not Me But You" (मैं नहीं, बल्कि आप) तथा "सेवा मेरा संकल्प, सेवा मेरा योगदान" की भावना को सार्थक रूप से अभिव्यक्त किया।